राजस्थान सरकार
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राजस्थान
चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, राजस्थान, जयपुर फोन न. 0141–2221590, **Email ID: md-nrhm-rj@nic.in**

F.No. F. 21 (3)/NHM/Deworming/2017/ 6472 Date: – 2/1/17

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
समस्त जिले राजस्थान।

विषयः माह जनवरी 2017 में **आयोजित होने वाले "आशा दिवस" में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की चर्चा** करने बाबत्।

जैसा कि आपको विदित है कि दिनांक 10 फरवरी 2017 को राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (नेशनल डिवर्मिंग डे) एवं दिनांक 15 फरवरी 2017 को मॉप–अप दिवस मनाया जा रहा हैं। इसमे 1 से 19 वर्ष के सभी बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा राजकीय एवं निजी विद्यालयों में एल्बेंडाजॉल की दवा खिलाई जायेगी।

आंगनबाड़ी क्षेत्र में 1–6 वर्ष के अपंजीकृत बच्चे (क्षेत्र के वे बच्चे जो आंगनवाडी में पंजीकृत नही हैं) एवं 6–19 वर्ष के स्कूल न जाने वाले बच्चों की सूची सम्बन्धित क्षेत्र की आशा सहयोगिनी तैयार करके उक्त दिवस (10 फरवरी एवं 15 फरवरी) को उन्हें प्रेरित कर निकटतम आंगनबाड़ी केन्द्र में ले जाकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से दवा दिलवायेंगी। इस कार्य के लिए आशा को 100 रूपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। आशा निर्धारित फॉर्म (प्रति संलग्न) में डिवर्मिंग की दवा दिये गये अपंजीकृत (1–6 वर्ष) एवं स्कूल न जाने वाले (6–19 वर्ष) के बच्चों की सूचना ए. एन. एम. को 20 फरवरी 2017 तक उपलब्ध करवायें। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आशा सहयोगिनी की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। इसके लिए आशा सहयोगिनियों को उक्त कार्यक्रम की जानकारी देना अति आवश्यक हैं।

अतः आपको निर्देशित किया जाता हैं कि जनवरी 2017 में मनाये जाने वाले "आशा दिवस" में **राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (नेशनल डिवर्मिंग डे)** को चर्चा का मुख्य बिंदु बनाकर इस बारे में विस्तार से चर्चा की जावे। जिलो में प्रचार–प्रसार सामग्री (IEC) के साथ भिजवाये जा रहे आशा लीफलेट (प्रति संलग्न) के माध्यम से भी आशाओं को विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें ताकि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम को जन–जन तक पहुँचाया जा सके। इसकी अनुपालना से 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता को तथा ई–मेल wifs .raj @gmail.com पर अवगत कराये ।

संलग्नः–उपरोक्तानुसार

(डॉ. वी. के. माथुर)
निदेशक, आर. सी. एच.
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैं :–

1. निजी सहायक, मिशन निदेशक, एन. एच. एम., जयपुर
2. परियोजना निदेशक (मातृत्व/शिशु स्वास्थ्य), एन. एच. एम. जयपुर
3. जिला प्रजनन शिशु स्वास्थ्य अधिकारी, समस्त जिले, राजस्थान
4. नोडल अधिकारी WIFS/Deworming/Education/ICDS

राजस्थान सरकार
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राजस्थान
चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, **स्वास्थ्य भवन,** तिलक **मार्ग,**
राजस्थान, जयपुर फोन न. 0141–2221590, Email ID: **md-nrhm-rj@nic.in**

5. राज्य कार्यक्रम प्रबंधक, एविडेंस एक्शन–डिवर्म दि वर्ल्ड इनिशियेटिव
6. पोषण विशेषज्ञ, यूनिसेफ
7. जिला कार्यक्रम प्रबंधक / जिला आशा समन्वयक को वास्ते पालनार्थ
8. कार्यक्रम प्रबंधक, आशा, एन. एच. एम., जयपुर
9. कम्प्यूटर / सर्वर रूम को वास्ते ई–मेल
10. रक्षित पत्रावली

02/1/17

निदेशक, आर. सी. एच.
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

10 फरवरी 2017 **आशा के लिए जानकारी पत्र**

सामुदायिक जागरूकता में आशा की अहम भूमिका

1. समुदाय को कृमि नियंत्रण के लाभ एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस **10 फरवरी 2017** के बारे में बताएं और सभी को प्रोत्साहित करें कि बच्चों को इस दिन स्कूल/आंगनबाड़ी अवश्य भेजें।
2. जो बच्चे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर किसी भी कारण से छूट जाएं उन्हें यह दवाई मॉप–अप दिवस **15 फरवरी 2017** पर लेने के लिए प्रेरित करें।
3. कार्यक्रम से पूर्व अपने क्षेत्र में गृह भ्रमण के समय सभी गैर पंजीकृत (1–6 वर्ष–आंगनबाड़ी) और स्कूल ना जाने वाले बच्चों (6–19 वर्ष) की सूची तैयार रखें और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को दें।
4. सभी गैर पंजीकृत (आंगनबाड़ी) और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को आंगनबाड़ी के माध्यम से इस कार्यक्रम का लाभ दिलाने में सहयोग करें।
5. ग्राम पंचायत एवं वी.एच.एस.सी. बैठक द्वारा समुदाय के लोगों को कृमि नियंत्रण के लाभ एवं कार्यक्रम तिथि के बारे में जागरूक करें।
6. **समुदाय को सूचित करें कि कृमि नियंत्रण कार्यक्रम सम्बंधित मीडिया संदेश रेडियो, अखबार व टी.वी. आदि द्वारा** प्रचारित किये जायेंगे, उन्हें ध्यान से सुनें/देखें।
7. कृमि नियंत्रण के लाभ और उससे जुड़ी संपूर्ण जानकारी आंगनबाड़ी पर आए बच्चों और उनके माता–पिता/अभिभावकों को अवश्य बताएँ। उन्हें बताएँ की यह दवाई सभी बच्चों को देना आवश्यक है।

कृमि कैसे फैलता है

कृमि संक्रमण का बच्चों की सेहत पर असर

- कुपोषण • खून की कमी (एनीमिया) • भूख न लगना
- कमज़ोरी और बेचैनी • पेट में दर्द • उल्टी और दस्त
- वज़न में कमी आना
- कृमि की जितनी अधिक मात्रा (तीव्रता) होगी, संक्रमित बच्चों में लक्षण उतने अधिक होंगे
- हल्के संक्रमण वाले बच्चों में आम तौर पर कोई लक्षण दिखाई नहीं देते

बच्चों में कृमि नियंत्रण के फायदे

- खून की कमी में सुधार
- बेहतर पोषण स्तर
- स्कूल और आंगनबाड़ी में उपस्थिति तथा बच्चों में सीखने की क्षमता में सुधार
- भविष्य में कार्य क्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी
- वातावरण में कृमि की संख्या कम होने पर समुदाय को लाभ मिलता है।

कृमि नियंत्रण की दवाई खाने के साथ–साथ कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण व्यवहार

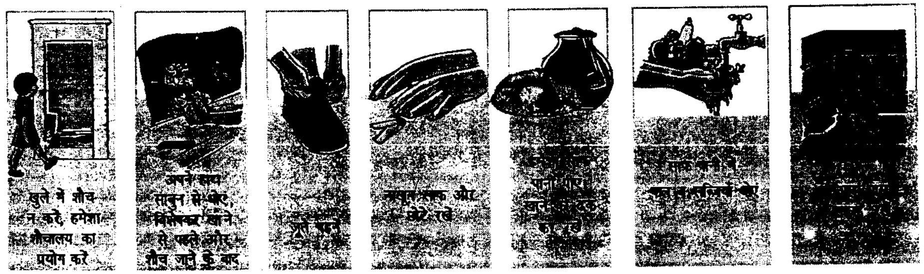

इन व्यवहार के बारे में समुदाय के लोगों, माता–पिता और बच्चों को नियमित रूप से जानकारी दें।

1. एल्बेंडाजॉल बच्चों और बड़ों के लिए सुरक्षित दवाई है। दवाई हमेशा अपनी निगरानी में स्कूल/आंगनबाड़ी में दें।
2. जो बच्चे बीमार हैं, या कोई अन्य दवाई ले रहे हैं, उन्हें कृमि नियंत्रण की दवाई ना दें।
3. गले में दवाई अटकने से बचाने के लिए बच्चों को हमेशा दवाई चबाने की सलाह दें। पीने का पानी साथ रखें।
4. जिन बच्चों में कृमि होते हैं, उन्हें दवाई खाने पर कुछ मामूली लक्षण जैसे–जी मचलना, पेट में हल्का दर्द, उल्टी, दस्त और थकान महसूस हो सकती है। घबरायें नहीं।
5. किसी भी चिकित्सीय सहायता के लिए 108 नम्बर पर फोन करें।

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक और निर्देशानुसार भागीदार बनें।

NATIONAL HEALTH MISSION · शिक्षा का अधिकार · सर्व शिक्षा अभियान · RCSE · unicef unite for children · Evidence Action